वियोजनम् ; (3) विश्लेषणम्. II. Disconnection : (1) वियोग:, *s. from lightning* : विद्युता विप्रयोग:, Me. ii. 1. ; *time of s.* : वियोगकाल:, D. iii. ; (2) विश्लेष:, alarmed *at s.* : विश्लेषकातर (f. रा), Si. ; (3) विरह:, *state of s.* : विरहावस्था, Me.

SEPARATOR : (1) पृथक्कारिन् (f. णी) ; (2) वियोजक (f. जिका) ; etc.

SEPOY : सैनिक: : v. Soldier.

SEPTEMBER : उत्तरभाद्रपूर्वाश्विनसंवादी युरोपीयवर्षस्य नवमो मास:.

SEPTENARY : I. Subs. : सप्तकम्. II. Adj. : by comp.

SEPTENNIAL : (1) सप्तवार्षिक (f. की) ; (2) सप्तवर्षीण (f. णा) ; etc.

SEPTUAGENARIAN : (1) सप्ततिक (f. का) ; (2) सप्ततिवर्ष (f. र्षा) ; etc.

SEPULCHRAL : (1) by comp. ; (2) समाधीय (f. या : ?).

SEPULCHRE : (1) समाधि: ; (2) प्रेतावास: and sim. comp.s.

SEPULTURE : निधानम्.

SEQUEL : I. A succeeding part : परिशिष्टम्. Ph. : *in the s.* : उपरिष्टात्. II. Consequence : q.v. : परिणाम:.

SEQUENCE : v. Sequel, succession.

SEQUESTER : वियोजयति (युज्, c. 10.) : v. To separate.

SERAGLIO : अवरोध:, *guard of the s.* : अवरोधरक्षिन् (m.) : v. Harem.

SERENE : (1) प्रसन्न (f. न्ना) : v. Clear ; (2) शान्त (f. न्ता) : v. Calm. quiet ; (3) विमल (f. ला) : v. Pure, clean.

SERENELY : (1) प्रसन्नम् : v. Clearly ; (2) शान्तम् : v. Calmly.

SERENITY : (1) प्रसन्नता ; (2) शान्ति: : q.v. : Clearness, calmness.

SERF : दास: : v. Slave.

SERFDOM : दास्यम् : v. Slavery.

SERGEANT : *संरक्षक:, अधिरक्षक:.

SERIATIM : (1) यथाक्रमम् ; (2) आनुपूर्व्येण ; (3) अनुपूर्वश:.

SERIES : I. Continuous line : (1) तति: ; (2) माला ; (3) राजि:. II. In math : (1) चय:, Li. III. Regular succession : क्रम:.

SERIOUS : I. Grave : q.v. : गम्भीर (f. रा). II. Weighty, important : q.v. : गुरु (f. also र्वी). III. In earnest : expr. by न परिहसति (हस्, c. 1.=not jest) *or* सत्यं ब्रवीति (ब्रू, c. 2. =to speak truth).

SERIOUSLY : I. Gravely : q.v. : गम्भीरम्. II. In earnest : (1) perh. गम्भीरम् ; (2) सत्यम् : v. Truly ; (3) by circumlo.

SERIOUSNESS : I. Gravity : q.v. : गम्भीरता. II. Importance : q.v. : गुरुता. III. Earnestness : (1) गम्भीरता ; (2) by circumlo.

SERMON : वक्तृता (=speech) ; धर्मविषयिणी वक्तृता (?).

SEROUS : perh. जलीय (f. या) *or* द्रव- in comp.

SERPENT : (1) सर्प: ; (2) भुजङ्ग:, -म: *or* भुजग: ; (3) अहि: ; (4) पन्नग: ; (5) उरग: ; (6) नाग: ; (7) फणिन् (m.) ; (8) आशीविष: ; (9) दर्वीकर: ; (10) दन्दशूक: : v. Snake.

SERPENTINE : (1) by comp., *s. course* : भुजङ्गप्रयातम्, P. ; (2) सार्प (f. र्पी : rare) and sim. deriv.

SERRATE, -D : (1) करपत्रनिभ (f. भा ?) ; (2) क्रकचाभ (f. भा : ?) ; etc.

SERRIED (adj.) : (1) संहत (f. ता) ; (2) संश्लिष्ट (f. ष्टा).

SERUM : no equiv. : पयस् (n.) *or* जलम्, may be used.

SERVANT : (1) भृत्य:, *engages a s. without fixing his wages* : वेतनपरिच्छेदमकृत्वैव भृत्यं कारयति, Mit. ; *you (are our) master, we (are) s.s* : वयं भृत्या भवान् स्वामी, M. p. ; (2) भृत:, -क: (rare), *if a s. does not do his work after receiving pay* : गृहीतवेतन: कर्म न करोति यथा भृत:, Vri. ; *s.s are of three kinds— superior, inferior* (menial), *and mean* (agricultural) : भृतकस्त्रिविधो ज्ञेय: उत्तमाधममध्यम:, N. s. ; *a s. paid in money* : अर्थभृत: ; *in kind* : भोगभृत:, N. s. ; (3) सेवक:, *with her s.* : स्वसेवकेन सह, H. iv. ; (4) दास: : v. Slave ; (5) चेट: (=page) ; (6) किङ्कर: (=domestic s.), *by many disguised s.s* : अनेकच्छन्नकिङ्करै:, D. viii.

SERVE (v.) : I. Lit. : सेवते, उप-, सं-, (सेव्, c.